जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

शेखावाटी
सन्मार्ग

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्गं मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक । वर्ष–32। अंक–13। लक्ष्मणगढ 16 अप्रेल 2023 । मूल्य (विशेषांक सहित) 100 रु. वार्षिक ।

हनुमान जयन्ती पर विशाल शोभायात्रा

लक्ष्मणगढ़ | 6 अप्रेल | (निजसंवाददाता) | यहाँ के धार्मिक आस्था के आराध्य स्थल गढ़ वाले बालाजी की गुरुवार को प्रातः रथ पर बिराजे बालाजी महाराज की विशाल शोभायात्रा मूंदड़ा नर्सिंग होम के पास स्थित नारायण इन्दौरिया के आवास से रवाना हुई, जो मुख्य मार्गों से होती हुई गढ़ पहुंची | इस दौरान शोभायात्रा के साथ 108 महिला कलश यात्रा, 31 निशान, हनुमान जी की झांकी, भजन मंडली व बालाजी के भक्त नाचते गाते साथ थे | वहीं बड़ी तादाद में नगर श्रद्धालु शोभायात्रा में साथ रहे | उन्होंने बताया की दो दर्जन से अधिक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर बालाजी महाराज की आरती की विभिन्न संगठनों व श्रद्धालु भक्तों ने की | जबकि गढ़ के बालाजी की 108 दीपकों से महा आरती की गई |

श्री दो जांटी बालाजी मंदिर में हुआ आयोजन

फतेहपुर | 5 अप्रैल (निजसंवाददाता) | हनुमान जयन्ती की पूर्व संध्या पर बुधवार को कस्बे के श्री दो जांटी बालाजी मंदिर परिसर में कार्यक्रम हुआ | इस दौरान कस्बे की महिला मंडली ने बजरंगबली के भजनों की प्रस्तुति दी तथा बालाजी की महाआरती की | इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया | कार्यक्रम में नगरपालिका उपाध्यक्ष निकिता रिणवा, भजन कलाकार मोना राय, देवकीनन्दन बोचीवाल, सीमा चोटिया, अंजू माटोलिया, मंजू चोटिया, माया जांगिड़, सुलोचना बोचीवाल, सुमन शर्मा, मोना नोचीवाल, राजकुमार चोटिया, मनोज माटोलिया, रवि सेन आदि सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे |

भजनों से बाबा को रिझाया

चूरू | 6 अप्रैल (निजसंवाददाता) | जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव श्योपुरा बालाजी धाम में चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में मंदिर को फैन्सी विद्युत लाइटों व रंग बिरंगे फूलों से दरबार को सजाया गया। इस अवसर पर बुधवार को दोपहर को रुद्राभिषेक, शाम को विशाल भंडारा व रात्रि को विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में आस-पास के गांवों सहित स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। मंदिर के पुजारी हरिचरण शर्मा ने गणेश वंदना, बजरंग बाला, जपु थारी माला, राम दूत हनुमान आसरो थारो, लाल लंगोटा हाथ में घोटा आदि भजनों की प्रस्तुतियों से जागरण का शुभारंभ किया। रतनगढ़ के गायक कलाकार सुरेंद्र जोशी ने मंगल की मूल भवानी सरना तेरा है, कीर्तन की है, रात बाबा आज थानै आणों है, देपालसर के नत्थू राम भगत ने बीरा म्हारा रामदेव एक बार लेवण आय, श्योपुरा की पूजा शर्मा, अनीता शर्मा व हेमा शर्मा ने मां तु कितनी अच्छी है, पधारो म्हारा नटवर नागरिया, भगत के वश में हैं भगवान आदि भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण में दिल्ली के संदीप महादेव व विकास ओंकारा द्वारा शिव-पार्वती, मां काली, बजरंगबली, राधा-कृष्ण, शेरो वाली मैया की संजीव झांकियों से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इसी क्रम में गुरुवार को प्रातः महाआरती के बाद मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रीकृष्ण सुदामा, शंकर, काली माता, बजरंगबली, राम दरबार की संजीव झांकियां व चंग नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहे। इस अवसर पर संगीत मय सुंदरकांड पाठ भी किया गया। इस अवसर पर प्रमोद पुजारी, मयंक पुजारी, महावीर पुजारी, संदीप पुजारी, अजय शर्मा, भव्य शर्मा, गोपाल शर्मा, पं. महेंद्र उपाध्याय, रामलाल जाट उत्तम कुमार बील, रामावतार चोटिया नाकरासर, दीनदयाल रामगढ़िया, विष्णु भाटी, रतन सिंह चौहान, कमल शर्मा, हीरालाल, भोलाराम, जेठाराम, ज्योति काछवाल, हुक्मीचंद लोहिया, इन्द्रचंद सैनी, पूर्व सरपंच पवन कुमार सैनी आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। आयोजन समिति के कैलाश चंद्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाया ढाढण दादी जी का सतरहवां वार्षिकोत्सव

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | सुबह श्री रघुनाथ जी के मन्दिर से निकाली ध्वजा यात्रा । श्री ढाढण दादी परिवार लक्ष्मणगढ़ का सतरहवां वार्षिक उत्सव एवं विराट् भजन संध्या शुक्रवार को डीडवानिया भवन, लक्ष्मणगढ़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया | दादी का विशेष अलौकिक श्रृंगार अखंड ज्योति भव्य दरबार मुख्य आकर्षण रहे।

दादी परिवार के संदीप बजाज एवं नरेश बजाज ने बताया की कार्यक्रम में देश के अलग-अलग स्थानो से दादी भक्तों ने भाग लिया वार्षिकोत्सव में भजन गायक लक्ष्मणगढ़ से पवन शर्मा निर्मल, नई दिल्ली से अजय तुलसियान, गौहाटी से विशाल बजाज, सरदारशहर से लक्ष्मीं मोदी एवं निजाम भाई जयपुर एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। जबकि स्थानीय गायक दिनेश एवं अंकित बजाज ने भी शानदार भजनों की प्रस्तुति दी प्रातः नगर धणी श्री रघुनाथ जी के मंदिर से दादीजी की ध्वजा यात्रा भी मुख्य बाजार से निकाली गयी।

यूनिवर्सिटी टॉपर रहने पर राज्यपाल द्वारा
आंचल गोल्ड मैडल से हुई सम्मानित

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता)। पुजारी परिवार की होनहार लाडो आँचल पुजारी को बैचलर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में यूनिवर्सिटी टॉपर रहने पर राज्यपाल ने गोल्ड मैडल से सम्मानित किया। शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के भव्य दीक्षांत समारोह में राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र ने आँचल को गोल्ड मैडल पहनाकर सम्मानित किया। शिक्षाविद् स्वर्गीय सत्यनारायण पुजारी व पूर्व पालिकाध्यक्ष हरिप्रसाद पुजारी की पौत्री तथा व्यवसायी रविकांत पुजारी की बिटिया आँचल ने आठवीं तथा 12वीं कक्षा में भी मैरिट में स्थान प्राप्त करने के साथ ही कंपनी सेक्रेटरी एंट्रेंस एग्जाम में देशभर में 21वां स्थान प्राप्त किया था। आँचल पत्रकार शशिकांत पुजारी एवं पार्षद व लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद् महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती विनीता पुजारी की भतीजी है।

सम्पादकीय

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् "

अन्नाद् भवन्ति भूतानि

सृष्टि में उर्जा और पदार्थ दो ही तत्त्व हैं | ये ही ब्रह्म-माया, रस-बल, पुरुष-प्रकृति, अग्नि-सोम, योषा-वृषा आदि नामों से जाने जाते है | हम उर्जा को सरस्वती कहते हैं | वह आग्नेय है | पदार्थ को लक्ष्मी कहते हैं, सोम्या है | दोनों एक-दूसरे में परिवर्तित होते हैं | किसी को बेटा चाहिए, किसी को नौकरी चाहिए तो, हवन करके हम उसी सरस्वती के माध्यम से, मंत्रों के जरिए, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं, मांगते हैं | लक्ष्मी और सरस्वती दो नहीं हैं, अंदर तो एक ही है |

अग्नि ही सोम बनता है | सोम ही अग्नि बन रहा है | ब्रह्म के दोनों रूप साथ चलते हैं | सरस्वती दिखाई नहीं देती | अदृश्य रूप से चल रही है | मेरे शरीर में भी तीन संस्थाएं अदृश्य है | मैं अपने मन, बुद्धि और आत्मा को देख नहीं सकता | शरीर दिखाई दे रहा है | सरस्वती रूप में भी परा, पश्यन्ती, मध्यमा, वैखरी ही देती है, बाकी तीनों सुनाई नहीं देती। आज का युग लक्ष्मी के पीछे दौड़ रहा है। पर लक्ष्मी जड़ है। जितने भी रूप में लक्ष्मी को देख रहे हैं, किसी- में चेतना नहीं है। हमारी चेतना सरस्वती यदि लक्ष्मी के पीछे भागती है, तो हम उसको भी जड़ बना रहे हैं |

मैं अग्नि हूं। शरीर मेरा अग्नि है। शरीर से अग्नि निरन्तर निकल रही है। इसको गति कहते हैं। इसकी पूर्ति के लिए मुझे वायुमंडल से जल, अग्नि, वायु सभी वापस मिल रहे हैं। यही गति और आगति का सिद्धान्त कहलाता है। इसी से मेरी क्षतिपूर्ति हो रही है। जीवन में विज्ञान के जितने सिद्धान्त हम देख पाते हैं वे सब अन्न के साथ जुड़े हुए मिलेंगे। हर प्राणी का अन्न निश्चित है। पहले यह पता होना चाहिए कि मेरी प्रकृति क्या है ? सत्व, रज अथवा तम। वर्ण कौनसा है? वर्ण व प्रकृति के अनुसार अत्र भी प्रत्येक व्यक्ति का भिन्न होता है। वस्तुतः वर्ण ईश्वरीय व्यवस्था का अभिन्न अंग है। जिसको वर्तमान समाज व्यवस्था में जाति कहा जाने लगा है। वर्ण तो हमारे आत्मा से जुड़ा रहता है, प्रकृति की तरह। इस स्वरूप का अगर पता है, तो यह भी पता है कि मेरा अन्न क्या है। जो मेरे स्वधर्म के विपरीत ले जाएगा, वह अन्न ग्रहण नहीं होगा।

अन्न को हम सामान्यतः खाने योग्य पदार्थ के रूप में जानते हैं | वस्तुतः अन्न की परिभाषा बहुत व्यापक है | हम सृष्टि के अभिन्न अंग हैं | अतः सृष्टि की हर रचना के साथ जुड़े हुए हैं | हम सब एक-दूसरे का अन्न भी हैं | अन्न के प्रसंग में श्रुति है **'सर्वमिदमन्नादः सर्वमिदमन्नम्' |** अन्नाद का अर्थ है ग्रहण करने वाला, खाने वाला | इसका अर्थ है कि सब कुछ अन्न है और सभी कुछ अन्नाद है | जिसका जिससे निर्वाह होता है वही उसका अन्न है, जैसे आकाश का अन्न शब्द है | यहाँ तक की संवाद भी अन्न है | हम एक-दूसरे से बात कर रहे हैं, तो हम एक-दूसरे का भोग कर रहे हैं | यानी हम एक-दूसरे के अन्न हैं | विचारों से, भावनाओं से, कर्मों से जो भी ग्रहण किया जाता है, वह सब कुछ अन्न है | हम एक-दूसरे को भोग रहे हैं | क्या अन्न की इस व्यापकता को हम समझ पाते हैं ?

गीता का विज्ञान तो यहाँ तक कहता है कि अन्न से ही प्राणी उत्पन्न होते हैं | आज का विज्ञान कैसे मान पाएगा?

अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसम्भवः । यज्ञाद्भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः ।। (गीता 3.14)

इस श्लोक में सृष्टि का गहरा विज्ञान निहित है। यह जीव के पृथ्वी पर अवतरण का श्लोक है। **अन्नाद्भवन्ति भूतानि** यानी अन्न से भूत (प्राणी) उत्पन्न होते हैं। जैसे मेरे अध्यात्म के चार अंग- शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा हैं। उसी तरह अन्न के भी चार अंग होने चाहिए। तभी वह मेरे शरीर को, मेरे अध्यात्म को या मेरे अधिभूत को पुष्ट करता है, अन्यथा नहीं कर पाएगा। उस अन्न को पुष्ट करने वाले जो तत्व हैं, प्रकृति में, उनके भी चार ही रूप होने चाहिए। गेहूं के खेत में किसान से पूछें कि गेहूं का यह दाना पका है या नहीं? तो, उसका उत्तर होगा कि इसमें जीव पड़ गया, अब हम इसको काट सकते हैं, खा सकते हैं।

कितने लोगों को समझ में आता होगा कि अन्न के हर दाने से एक जीव हमारे शरीर में जा रहा है। ब्रह्माण्ड में भी सात महासागर हैं। 'यथा ब्रह्माण्डे तथा पिण्डे' का नियम सर्वत्र लागू होता है। सम्वत्सर में पृथ्वी भ्रमण करते हुए चार महासागरों गुजरती है – दधि सागर, घृत सागर, मधु सागर और अमृत सागर | उन चारों महासागरों का प्रभाव हमारे अन्न पर पड़ता है | दधि, घृत, मधु और अमृत इन चारों तत्त्वों का सम्बन्ध क्रमशः शरीर, स्नेहन, मिठास और रस से है | इसी तरह अन्न में भी चारों तत्त्व मौजूद रहते हैं | गेहूं को पीसेंगे तो उसका चापड़ (छिलका) निकलता है, वह दधि भाग है | जब आंटे को गूंधते हैं तो उसमें जो स्नेहन या लोच आ रहा है, वो उसका घृत भाग है, उसको हम अमृत कहते हैं | **रसो वै सः |** रस ब्रह्म का पर्याय है | यानी अन्न ही रस को हमारे शरीर में ला रहा है |

अन्न से शरीर के सात धातु बनते हैं | रस, रक्त, मास, मेद, अस्ति, मज्जा और शुक्र बनते हैं | शुक्र सोम है | वृषा है | वो बीज (शुक्राणु) को संरक्षित रखने का कार्य करता हैं | शोणित

(रज) आग्नेय है, योषा है। शुक्र (पुंभूण) योषा के महः लोक में जाकर आहूत होता है। अर्थात् ब्रह्म अन्न के माध्यम से सम्पूर्ण चौरासी लाख योनियों में व्याप्त है। शरीर में जीव प्रवेश करता है। शरीर की समाप्ति के बाद जीव वहां से निकल कर चला जाता है। उसके आगे शरीर की उपयोगिता जीव के लिए नहीं है। वह कपड़ों के जैसे शरीर बदल लेता है। गीता भी कहती है-

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय, नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि। तथा शरीराणि विहाय जीर्णा, न्यन्यानि संयाति नवानि देही ।। (2.22)

तब, शरीर का रिश्ता, जीव के साथ क्या बना? केवल यात्रा मार्ग वाला ही हो गया। सारे लोकों को अगर हम अन्न के साथ जोड़ते चले जाएंगे तो हमारे अध्यात्म का अत्र, हमारे अधिभूत का अन्न और हमारे अधिदेव का अन्न मिलकर एक सूत्र से जुड़े दिखाई देंगे। हम अनुष्ठान करते हैं, देवताओं का मंत्रों से आह्वान करते हैं। भोग सामग्री अर्पित करते हैं कि आप यह अन्न ग्रहण कीजिए। गीता कह रही है कि अत्र से हम देवताओं को तृप्त करें। तो वे हमको तृप्त करेंगे- **देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः** । अभिप्राय यह है कि सृष्टि अन्न के आदान-प्रदान पर ही आगे बढ़ती है और व्यवस्थित चलती है। अगर हम देवताओं को अन्न अर्पित नहीं करेंगे, तो उनको उपवास करना पड़ेगा। असुर ही पुष्ट होंगे।

आज अन्न की परिभाषा पूरी तरह बदल गई है। जिस तरह के अन्न नई पीढ़ी के सामने आ रहे हैं, उनमें तो ये सारी परिभाषाएं लुप्त ही हो गई हैं। प्रकृति के नियमों के अनुसार तो चारों वर्णों के अन्न अलग-अलग हैं। यह गीता के 17वें अध्याय में बहुत स्पष्ट रूप से कहा है। भिन्न वर्णों के साथ शरीर भी भिन्न होते हैं। अगर ब्राह्मण का अत्र क्षत्रिय खाए और क्षत्रिय. का अन्न ब्राह्मण खाए तो इसका परिणाम उनके शरीर के माध्यम से समझ सकते हैं। अतः अन्न को और गहराई से समझने की जरूरत है। प्रश्न है कि अन्नप्राशन संस्कार क्यों करते हैं? वर्ण को समझने के लिए। वर्ण प्रकृति से प्राप्त होता है। ईश्वर स्वयं वर्ण का निर्माण कर रहे हैं- **चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं...।** शास्त्र तो यहां तक भी कहते हैं कि जिस प्रकार हमारे उत्तर और दक्षिण गोलार्द्ध हैं, वैसे ही पूर्व और पश्चिम गोलार्द्ध भी हैं। पूर्व का गोलार्द्ध इंद्र प्रधान है। आग्नेय है। पश्चिम का गोलार्द्ध वरुण है। वरुण का मतलब सोम, भोग्य सामग्री यानी अर्थ । प्रधान है। और इंद्र का तात्पर्य है अग्नि, आत्मा । आत्मा की चर्चाएं पूर्व मैं मिलेंगी, पश्चिम में नहीं। पूर्व का व्यक्ति पश्चिम के अन्न से पुष्ट नहीं हो पाएगा। व्यक्ति जिस भूगोल के अंदर पैदा होता है, वहां उत्पन्न होने वाला अन्न ही उसकी पुष्टि में सहायक होता है।

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

खेल प्रतियोगिताओं में विजेताओं को किया सम्मानित

लक्ष्मणगढ़ | 8 अप्रैल । (निजसंवाददाता) | श्रीऋषिकुल विद्यापीठ में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नेशनल कोच रामकरण नेहरा एवं लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद् सचिव सोनू सोमानी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस अवसर पर संस्था सचिव संगीता चूड़ीवाला, प्राचार्य डॉ. रेखा शर्मा, पीटीआई बनवारीलाल मील, सीमा शर्मा, पीटीआई कुलदीप सिंह एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन छात्र अश्मित शर्मा ने किया।

प्रिंस स्कूल में हुआ
राजस्थान दिवस का आयोजन

सीकर (निजसंवाददाता) | पालवास रोड स्थित प्रिंस स्कूल में राजस्थान दिवस का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। इस उपलक्ष्य पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राजस्थानी रंग बिरंगी पोशाक में श्रीराम स्तुति व आयो रे शुभ दिन, पधारो म्हारे देश, रंगीलो राजस्थान, नैणा रा लोभी पावणा, म्हारी हथेली र बीच छाला पड़ग्या, . छोटा देवर लाडला, राजस्थान एंथम सहित विभिन्न गीतों पर आकर्षक व मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर प्रिंस एजुहब के मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन ने कहा कि राजस्थानी मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम से विद्यार्थियों को हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलता है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक है। प्रिंसीपल एम. आर अग्रवाल ने राजपूताना से राजस्थान के निर्माण में विभिन्न महापुरुषों के योगदान को बताया व राजस्थान के वीर सपूतों के शौर्य, त्याग व व्यक्तित्व से सीखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 10वीं के विद्यार्थी प्राशी, मानव, मीनाक्षी व अनुष्का ने किया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

सीकर (निजसंवाददाता)। सोभासरिया महाविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप प्राचार्य डॉ. सोलंकी, ग्रुप रजिस्ट्रार प्रदीप शर्मा, सोभासरिया कॉलेज प्राचार्या डॉ. हर्षिता गर्ग, उपप्राचार्य डॉ. महेश डोकवाल उपस्थित रहे। कार्यशाला के वक्ता डॉ. बिनीत सिन्हा एवं डॉ. कोमल लता नागपाल रहे। डॉ. सिन्हा ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के गुर बताए एवं डॉ नागपाल ने पोस्ट कोविड के लक्षण और उसके आयुर्वेदिक उपचार पर विचार साझा किये। छात्र वक्ता ऋचा शर्मा एवं नितिन मील रहे। इस अवसर पर कला संकाय द्वारा सोशल मीडिया से होने वाली हानि के विरुद्ध जागरूकता के लिए लघु फिल्म 'द ग्लेयर' का विमोचन किया गया जिसका टीज़र और पोस्टर यूट्यूब पर रिलीज किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सहायक आचार्य बृजेश सिंह एवं डॉ. नागपाल रहे । प्राचार्य डॉ. सोलंकी ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के लिए आयोजक सदस्यों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में बृजेश सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी समझ ही सबसे बड़ा धन है, बताते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

75वें विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

झुंझुनूं (निजसंवाददाता) । सीकेआरडी अस्पताल में 75वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के सभी चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ पैरामेडिकल स्टाफ आदि उपस्थित थे । अस्पताल के निदेशक डॉ. लालचंद ढाका ने सभी को संबोधित करते हुए इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम हेल्थ फॉर ऑल का मतलब समझाते हुए सभी को बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। उन्होंने असल में स्वस्थ शरीर के बारे में बताया कि व्यक्ति शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक तरीके से स्वस्थ रहने वाला ही व्यक्ति स्वस्थ कहलाता है। यह सभी कारक एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। यदि इनमें से कोई भी एक कारक गड़बड़ा जाता हैं तो उसका प्रभाव व्यक्ति के शरीर पर पड़ता है। डॉ. ढाका ने अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि हम सबका दायित्व है कि हम मरीज के इलाज के साथ साथ मरीज मानसिक, शारीरिक सामाजिक और आध्यात्मिक कारकों का ध्यान रखें और सर्वांगीण विकास करें ।

उसको होने वाली जिस भी तरह की बीमारी है। उस बीमारी के बारे में उसको हेल्थ एजुकेशन दें। ताकि वह उस बीमारी के अनुसार लगातार दवाइयां ले और अपने शरीर का ध्यान रखें। उन्होंने आने वाले समय में देश में मधुमेह रोग और हृदय रोग के मरीज की संख्या बढ़ती जा रही है।

इसका कारण उन्होंने सिर्फ और सिर्फ लाइफस्टाइल चेंजिंग को बताया। जिसमें मुख्यत: है नशे के सेवन, मिलावटी खाना और अशुद्ध वातावरण को कारण ठहराया। हेल्थ फॉर ऑल का मतलब यही है कि हम मरीज को उसकी बीमारी के बारे में जागरूक करें। ताकि वह अपना व अपने परिवार का स्वयं ध्यान रख सके और आने वाले खतरों से बच सकें। आगे कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. नत्थूसिंह शेखावत ने सब को संबोधित करते हुए बताया कि स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है। इसके लिए हम लगातार निरंतर प्रयास करते हैं। ताकि प्रत्येक व्यक्ति को समय पर इलाज मिल सके और वह अपना जीवन यापन कर सकें। उन्होंने अस्पताल के सभी स्टाफ को प्रण दिलाया कि हम किसी भी एक व्यक्ति का बीड़ी, पान गुटखा आदि का खाना छोड़ जाएंगे। ताकि उसका मेंटली, फिजिकली, सोशली, विकास हो सके और वह आसानी से अपना जीवन यापन कर सके। अंत में अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संतोष ढाका सभी को धन्यवाद करते हुए बताया कि आप सभी स्वस्थ रहें सुखी रहें। क्योंकि अगर आप स्वस्थ रहेंगे तभी आप आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने अंत में सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

दिशा स्कूल में वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

नीमकाथाना (निजसंवाददाता) | दिशा पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल में वार्षिकोत्सव व अभिनन्दन कार्यक्रम हुआ | निदेशक आर.के. गुप्ता व मैनेजिंग डायरेक्टर अन्नू गुप्ता व अतिथियों मूलचंद मुवाल, ललित दार्शनिक ने माँ सरस्वती व गणेश जी महाराज सम्मुख दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की | कार्यक्रम में बच्चों ने रानी लक्ष्मीबाई व अंग्रेज सैनिकों के बीच युद्ध, श्रीराम एक्ट, शिवाय एक्ट, आर्मी एक्ट एवम कालबेलिया नृत्य जैसी एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुति दी |

श्रीराम मंदिर के पुजारी सत्यनारायण शर्मा ने श्रीराम एक्ट के बच्चों को प्रोत्साहन राशि भेंट की | विशिष्ट अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष महेश मेगोतिया व महिला बाल विकास अधिकारी संजय चेतानी के माध्यम से दिशा स्कूल द्वारा कक्षा 12 की प्री बोर्ड परीक्षा में प्रथम द्वितीय व तृतीय आने वाले विद्यार्थियों शेखर सिंह, भूमिका मीना, निधि शेखावत सानिया मित्तल, प्रियांशी अग्रवाल व नैनिका अग्रवाल को सम्मानित किया। अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में योगी रामनाथ महंत गुरुगोरखनाथ आश्रम खंडेला, डॉ. जीएस तंवर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी सैनिक कल्याण बोर्ड हंसराज नवल एसएसपी सीकर जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी व जिला मंत्री कमलेश शर्मा उपस्थित रहे।

विष्णु भूत जिलास्तर पर हुए सम्मानित

लक्ष्मणगढ़। 9 अप्रैल। (निजसंवाददाता) । अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की ओर से सीकर के बद्री विहार में रविवार को वैश्य महासम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। संगठन के तहसील अध्यक्ष संदीप बजाज ने बताया कि पवन मोदी की अध्यक्षता तथा विधायक सुरेश मोदी के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में उल्लेखनीय समाजसेवा के लिए लक्ष्मणगढ़ के युवा समाजसेवी विष्णु भूत का का सम्मान किया गया। इस मौके पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष एनके गुप्ता, महामंत्री गोपाल गुप्ता, महिला एवं बाल संरक्षण आयोग की सदस्य संगीता गर्ग, समाजसेवी पन्नालाल सारड़ा, ध्रुवदास अग्रवाल, समाजसेवी गोविन्द अग्रवाल, युवा वैश्य महासम्मेलन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष योगी मनीष विजयवर्गीय आदि थे।

धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती

वाहन रैली निकाली

सीकर (निजसंवाददाता) । महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर सैनी समाज के द्वारा सर्व समाज के सहयोग से वाहन रैली धूमधाम से निकली। शहर के मार्गों पर रैली का जोरदार स्वागत किया गया। मंगलवार को रामलीला मैदान से प्रारंभ हुई रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर सैनी समाज के बुजुर्गों ने दीप जलाया। इसके बाद वाहन रैली शुरू हुई। रैली में सैनी जाग्रति संस्था संस्था सीकर जिला अध्यक्ष विष्णु सिंगोदिया ने बताया कि सैनी जागृति संस्था के द्वारा बनाई गई दो बड़ी प्रतिमाएं आगे रही।

एक डोले में महात्मा ज्योतिबा फुले का चित्र व दूसरे डोले में भारत रत्न भीमराव अंबेडकर जी का चित्र था। कार्यक्रम के संयोजक एडवोकेट रतन लाल सैनी व राजेश सैनी ने बताया कि शोभायात्रा में बाइक सवार युवा आगे चल रहे थे और सैनी समाज सीकर व सैनी जाग्रति संस्था, सैनी कर्मचारी संस्था, फुले ब्रिगेड, महात्मा ज्योतिबा फूले शिक्षण संस्थान, सहित सैनी समाज के अन्य बैनर तले निकली शोभायात्रा में रामलीला मैदान से शुरू होते हुए घण्टाघर, जाट बाजार, तापड़िया बगीची, कल्याण सर्किल, पिपराली रोड़ होते हुए महात्मा ज्योतिबा फूले सर्किल पर संपन्न हुई। यहां पर सीकर नगर परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रम में फुले सर्किल के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम भी किया गया। सोनी समाज सीकर जिला अध्यक्ष भंवरलाल गार्ड ने बताया कि वाहन रैली में अधिकांश युवक- बालिकाएं अपने सिर पर साफा पहने हुए थे एवं महात्मा ज्योतिबा फूले, सावित्री बाई फूले व भीमराव अंबेडकर के जयकारे लगा रहे थे ।

रैली के पहले रामलीला मैदान पर सभा का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई की जीवनी पर प्रकाश डाला व उनके आदर्शों पर चलकर शिक्षण व समानता को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

अंबेडकर भवन में मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

लक्ष्मणगढ़ | 11 अप्रैल (निजसंवाददाता)। डॉ. अम्बेडकर विचार मंच समिति लक्ष्मणगढ के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष हरफूलसिंह कसवाली की अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के आरंभ में महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले को बहुजन क्रांति के अग्रदूत व डॉ अम्बेडकर के आदर्श बताया तथा सभी ने महात्मा ज्योतिबा फुले के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह में मास्टर नागरमल बालान, गणेश चौहान, बीस सूत्री कार्यक्रम के सदस्य एडवोकेट सज्जन हापास, बीरबल सिंह फदनपुरा, भागीरथ सिंह फदनपुरा, प्रधानाचार्य नेमीचंद तंवर, हरलाल सिंह महरिया, कैलाशचन्द्र बाबर,हरलाल सिंह गवारिया, अनिल दैंया, बाबुलाल तंवर, जगदीश माहिच बलारां,शिक्षा सेवा के अधिकारी फुलचंद चिरानिया, महेश रॉयल, ओमप्रकाश दैंया, विश्वास निरंकारी, सुभाषचन्द्र किलानिया,सुनिल दैंया, सुरेन्द्र भूमा, सुरेन्द्र बालान,महेश बेरवाल, अंशु कुमार, विमलेश रोलन, पंकज रोलन सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह के पश्चात् कौर कमेटी का गठन कर डॉ. अम्बेडकर जयंती समारोह लक्ष्मणगढ मनाने के लिए चर्चा परिचर्चा कर रुप रेखा तैयार कर निर्णय लिया।कौर कमेटी के सदस्य हरफूलसिंह कसवाली, नागरमल बालान, सज्जन हापास, गणेश चौहान, हरलाल सिंह महरिया, नेमीचंद तंवर, हरलाल सिंह गवारिया, ओमप्रकाश दैंया,बीरबल सिंह फदनपुरा, सीआईएसएफ के सेवानिवृत्त अधिकारी भागीरथ फदनपुरा, कैलाश बाबर,अनिल कुमार दैंया, विश्वास निरंकारी, फूलचंद चिरानिया को कौर कमेटी का सदस्य बनाया गया।

जिन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयारी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे दिनांक 14 अप्रेल को सुबह 8.15 बजे बड़ के बालाजी से साईकिल रैली रवाना होकर घंटाघर, स्टैंड, चौपड़, मुरलीमनोहर की मन्दिर, पक्की प्याऊ, पंचायत समिति कार्यालय से होती हुई डॉ. अम्बेडकर भवन पहुंचकर समारोह शामिल होकर बाबा साहेब अंबेडकर की 132वीं जयंती मनाई। समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हरफूलसिंह कसवाली ने की | जबकि मुख्य अतिथि वयोवृद्ध समाजसेवी एवं सामाजिक अधिकारिता मंच के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सेवार्थी थे। समारोह की सफलता के लिए अनेक कमेटियों का भी गठन किया था |

महामंडलेश्वर कुशलगिरी महाराज का किया स्वागत

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता)। विश्व स्तरीय गौ चिकित्सालय, नागौर के संचालक स्वामी कुशलगिरी महाराज के लक्ष्मणगढ़ आगमन पर वरिष्ठ पार्षद रामावतार पंवार के सांनिध्य में संस्कार मेरिज गार्डन में सर्वसमाज द्वारा अभिनंदन किया गया। महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि गौ वंश के लिए हर एक को आगे आना चाहिए और इनके लिए चारे पानी की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि इन्हें भूख से नहीं मरना पड़े। उन्होंने कहा कि गौ तस्करी में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर कामधेनु गौशाला ढोलास में होने जा रही श्रीमद्भागवत कथा के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर बगड़िया निकेतन के सचिव पवन गोयनका, खुड़ी मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कटारिया, प्रदीप दाधीच, लक्ष्मणगढ़ मंडल अध्यक्ष मधु दायमा, जिला भाजपा सदस्य जयप्रकाश सरावगी, युवा भाजपा नेता ललित पंवार, भाग चौधरी, संजय जोशी, रतनसिंह बागड़ी, एडवोकेट उम्मेद सिंह, एडवोकेट बलदेव सिंह सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे |

शिवराज सिंह का किया स्वागत

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | गोमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने एवं गोहत्या बंदी के लिए पिछले 16 महीनों से लगातार पैदल चलकर भारत भ्रमण पर निकले गोभक्त शिवराज सिंह सूरपुरा का मंगलवार को लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में आगमन पर शहर एवं गांवों में स्वागत किया। भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से पुराने बस स्टैंड पर शहीद भगत सिंह सर्किल के पास अध्यक्ष जयशंकर पुजारी, संरक्षक सुरेश जाजोदिया की अगुवाई में अमित कुमार जोशी राजेश बेदी, ताराचंद ठेकादार, संदीप नेता, विनोद पाराशर, रविप्रकाश जोशी, नवीन काछवाल, भाजपा युवा नेता सर्वोत्तम, सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष विनोद सिंगोदिया, तेजा सेना के अध्यक्ष राकेश भोजासर, ढोलास कामधेनु गोशाला के उम्मेद सिंह, अनुराग काछवाल, गोसेवक संजय जोशी, महावीर चूनवाल, किशन पेंटर, प्रताप सिंह आदि ने शिवराज सिंह महाराज का स्वागत किया। इसी प्रकार सालासर रोड पर खेड़ी ढूकिया स्टैंड पर भूमा बड़ा सरपंच नरेन्द्र सिंह ढूकिया की अगुवाई में गोसेवकों व ग्रामीणों ने शिवराज सिंह महाराज व उनके साथ यात्रा में साथ चल रहे दल का स्वागत किया। इस अवसर पर भवानी सिंह खेड़ी, नरेश सिंह खेड़ी, नरपत सिंह डागरा, विष्णु शर्मा खेड़ी, अमित हापास, श्रवण शर्मा, रूपसिंह जाजोद, दीनदयाल शर्मा आदि थे। गौरतलब है कि गोहत्या बंद करने, देशी गोवंश को बढ़ावा देने, देशी गो नस्ल सुधार तथा गोशालाओं की स्थिति सुधारने सहित विभिन्न उद्देश्यों को लेकर गोभक्त शिवराज सिंह सूरपुरा ने 11 दिसंबर 2021 को तमिलनाडु के रामेश्वर से गोचेतना पदयात्रा शुरू की थी। वे 16 राज्यों से होते हुए 9500 किलोमीटर की दूरी कर चुके हैं। लक्ष्मणगढ़ से सालासर, देशनोक व पथमेड़ा होते हुए आगामी कुंभ मेले में पदयात्रा का समापन होगा।

अंबडेकर जयंती मनाई

लक्ष्मणगढ़ 15 अप्रैल (निजसंवाददाता) | मणासिया रोड स्थित भारतीय शिक्षण संस्थान में भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132वीं जंयती समानता व ज्ञान दिवस के रूप में समारोह पूर्वक मनाई गई। व्यवस्थापक मनोज कुमार रूलानियां ने बताया कि छात्र- छात्राओं ने देश भक्ति से ओतप्रोत एवं उनके जीवन पर्यन्त किये गए महान कार्यों पर अभिनय, संगीत एवं भाषण के माध्यम से प्रस्तुत कर सभी दर्शकों के दिलों में देश भक्ति की भावना जगाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था निदेशक रामस्वरूप महला ने अपने संबोधन में बाबा साहेब के जीवन पर्यन्त किये गए कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि उनकी समाज एवं देश को बहुत ही महान देन रही है। इस अवसर पर सचिव कविता महला, प्रबंधक धर्मेन्द्र थालौर, रामनारायण वर्मा, मलयकांत, व्याख्याता सहदेव सिंह, सुनील कुमार, हेमन्त दानोदिया सहित बड़ी तादाद में स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित थे।

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्त जोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान | कृष्णा प्रिन्टर्स के लिये सागर कम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित | प्रबन्ध सम्पादक- डॉ. महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी
शेखावाटी सन्मार्ग को online पढ़ने के लिये www.srrividya.com वेब साईट विजिटकरें |